मेट्रो रेज Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शुक्रवार, 15 अगस्त 2025

संवत 2082, भाद्रपद कृष्ण पक्ष 6 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 342 , पृष्ठ-8, **RNI No.-JHAHIN/2017/75028**

सांध्य दैनिक

राज्यपाल ने फहराया तिरंगा, राज्य सरकार की गिनाई उपलब्धियां

संवाददाता

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस राज्य ने नक्सलवाद और अवैध मादक पदार्थ के कारोबार जैसी समस्याओं के खिलाफ जंग छेड़ दी है।

राज्यपाल ने कहा, नक्सलवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है और इसके परिणामस्वरूप 197 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया, 17 मारे गए और 10 को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया गया।" गंगवार ने कहा कि राज्य सरकार ने हजारों एकड़ में फैली अफीम की खेती नष्ट कर दी, जिससे अवैध मादक पदार्थ के धंधे को करारा झटका लगा। राज्य की कल्याणकारी पहलों पर उन्होंने कहा कि सरकार ने 2,300 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ किए हैं, जिससे 5 लाख किसानों को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा, सरकार राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में 3,800 किलोमीटर लंबाई के राजमार्ग बनाने के लिए 13,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं जारी हैं।"

गंगवार ने बताया कि विश्व बैंक ने राज्य की मंईंया सम्मान योजना' की सराहना की है, जिसके तहत 51 लाख महिलाओं को 2,500 रुपये की मासिक सहायता मिल रही है। निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार मुख्यमंत्री रांची के मोरहाबादी में तिरंगा फहराते हैं, जबकि राज्यपाल उपराजधानी दुमका में समारोह की अध्यक्षता करते हैं, लेकिन इस बार झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन के कारण, उनके बेटे एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 'श्राद्ध' कर्म करने के लिए इस वक्त अपने पैतृक गांव नेमरा में मौजूद हैं।

मुख्यमंत्री ने नेमरा में किया ध्वजारोहण

नेमरा/रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने पैतृक गांव नेमरा, में झंडोत्तोलन कर तिरंगे को सलामी दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने समस्त झारखण्ड वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान गांव के लोगों और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों ने भी समारोह में भाग लिया। सीएम हेमंत ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाले अमर शहीदों को नमन किया और राज्यवासियों से एकजुट होकर झारखंड के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को याद दिलाने का अवसर भी है।

स्वतंत्रता दिवसः लाल किले से प्रधानमंत्री की डोनाल्ड ट्रंप को दो टूक

अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए जनसांख्यिकीय मिशन शुरू करेगा भारत

' दीवार की तरह खड़ा है मोदी '

नई दिल्ली : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ संदेश दिया कि भारत अपने किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के हितों से किसी भी हालत में समझौता नहीं करेगा। उन्होंने किसी देश या नेता का नाम लिए बिना यह इशारा दिया कि प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) में अमेरिका द्वारा कृषि और डेयरी क्षेत्र में शुल्क कम करने की मांग स्वीकार नहीं की जाएगी, क्योंकि इसका सीधा नुकसान देश के किसानों को होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की प्रगति में किसानों की मेहनत का बड़ा योगदान है। पिछले साल देश ने अनाज उत्पादन में नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बताया कि 'जमीन वही थी, लेकिन पानी और सुविधाएं मिलने से उत्पादन भी बढ़ा।' मछली उत्पादन में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंच चुका है, जबकि चावल, सब्जी और अन्य कृषि उत्पादों में भी हम दूसरे पायदान पर हैं।

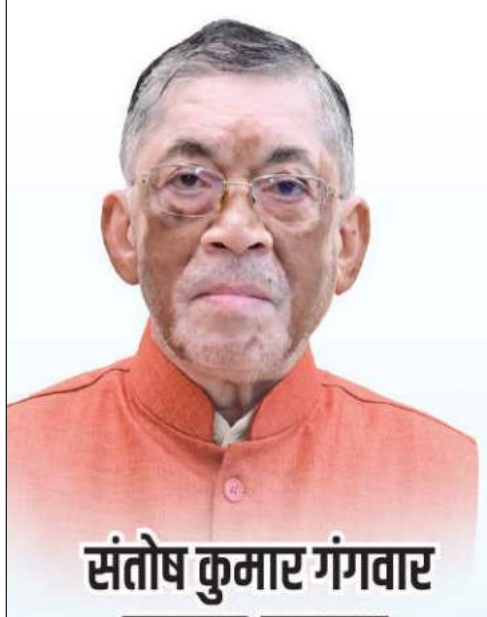

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

समस्त झारखण्डवासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं एवं जोहार

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

स्वतंत्र भारत अपनी स्वतंत्रता के 79 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।
हमें यह सुखद अवसर प्रदान करने वाले समस्त स्वतंत्रता सेनानियों को
हमारा शत्-शत् नमन।

स्वतंत्रता आंदोलन में झारखण्डवासियों के अतुलनीय संघर्ष व बलिदान की
गौरवगाथा को भी भुलाया नहीं जा सकता। उन्हें भी हमारा नमन।

jhargov.tv
पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का सीधा प्रसारण
एवं अन्य चैनलों पर देखा जा सकता है

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR- 359561 (IPRD) 25-26

गढ़वा में बड़ा हादसा

सेप्टिक टैंक में उतरे तीन सगे भाइयों सहित चार लोगों की मौत, दम घुटने से गयी जान

गढ़वा: जिला मुख्यालय से सटे नवादा गांव में आज शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में तीन सगे भाइयों समेत चार लोगों की मौत हो गयी। सेप्टिक टैंक में उतरने के दौरान दम घुटने से मौत की बात सामने आयी है। इस दर्दनाक हादसे से पूरे इलाके में मातम पसर गया है। मृतकों में मोती चौधरी के तीन पुत्र अजय चौधरी (51), चंद्रशेखर चौधरी (42) और राजू शेखर चौधरी (55) तथा गांव के ही मल्टू राम शामिल हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार राजू शेखर चौधरी के घर का निर्माण कार्य चल रहा था और नया सेप्टिक टैंक बनाया गया था। आज शुक्रवार की सुबह टैंक का सेटिंग खोलने का कार्य हो रहा था। सबसे पहले मल्टू राम नीचे उतरे, लेकिन काफी देर तक बाहर नहीं लौटे। उन्हें देखने राजू शेखर भी नीचे गया, लेकिन वह भी वापस नहीं आया। इसके बाद अजय और फिर चंद्रशेखर चौधरी भी एक-एक कर टैंक में उतरे। काफी देर होने के बाद भी चारों में से कोई भी बाहर नहीं आया। पास के ग्रामीणों को जब स्थिति गंभीर लगी, तो उन्होंने शोर मचाकर लोगों को बुलाया। इसके बाद कड़ी मशक्कत से ग्रामीणों ने मिलकर चारों को टैंक से बाहर निकाला। चारों को गढ़वा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही अस्पताल में चीख-पुकार मच गयी। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीओ संजय कुमार, एसडीपीओ नीरज कुमार और गढ़वा थाना प्रभारी बृज कुमार पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि टैंक में जहरीली गैस भरने से चारों का दम घुटा, जिससे उनकी मौत हो गयी। हादसे के बाद नवादा गांव और गढ़वा शहर में मातम पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दामाद ने की सास की हत्या, ससुराल वालों ने ली जमाई की जान

पलामू: छतरपुर थाना क्षेत्र के कउवल में शुक्रवार को मानसिक रूप से कमजोर एक दामाद ने अपनी सास की हत्या कर दी। बाद में ससुराल वालों ने भी दामाद की हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पंहूच गई और मामले में छानबीन कर रही है। दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बिहार के औरंगाबाद के कुटुंबा थाना क्षेत्र के खेतपुरा के रहने वाले प्रमोद कुमार की शादी 2021 में कउवल के रहने वाली शोभा कुमारी कर साथ हुई थी। जानकारी के अनुसार प्रमोद कुमार इलाज के लिए अपने ससुराल आया हुआ था। इसी क्रम में उसने कुदाल से अपनी सास सुशीला देवी की हत्या कर डाली। हत्या करने के बाद वह ससुराल से भाग रहा था। इसी क्रम में परिजनों ने पकड़कर उसकी भी हत्या कर दी। घटना के बाद परिजन और स्थानीय ग्रामीणों ने छतरपुर थाना को इसकी सूचना दी। छतरपुर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों के शव को अपने कब्जे में लिया। एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि दोनों की हत्या हुई है। पहले सास की हत्या हुई, उसके बाद दामाद की हत्या की गई है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है।

दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

जामताड़ा: जिले से ऑनलाइन ठगी की कोशिश कर रहे 2 संदिग्ध साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने जिले के जसीडीह गांव के पास पलास जंगल से आरोपियों को गिरफ्तार किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों ने कथित तौर पर लोगों को यह दावा करके ठगा कि यदि उनके निदेर्शों का पालन नहीं किया गया तो क्रेडिट या डेबिट कार्ड ब्लॉक कर दिए जाएंगे और ऐसा करते हुए उन्होंने लोगों के बैंक खातों के बारे में गोपनीय जानकारी एकत्र की।पुलिस ने उनके पास से नकदी, छह मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य सामान भी जब्त किया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी मुख्य रूप से बिहार, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में सक्रिय थे।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकमानाए

गुलाम मुस्तफा

संस्थापक अध्यक्ष, भारतीय एकता कमेटी रांची

स्वतंत्रता दिवस के शुभ मौके पर मुरी- सिल्ली समेत पूरे झारखंड एवं समस्त भारत वासी को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई।

निवेदक

श्री नरेश चन्द कार्जी

(वरिष्ठ नागरिक)जन समस्या समाधान समिति प्रदेश महासचिव, रांची।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक

उधवा प्रखंड झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य अखलाकुर रहमान की ओर से साहिबगंज जिला वासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं ।

79वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर झारखंड प्रदेश के अल्पसंख्यक कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी की तरफ से समस्त झारखंड वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक

उधवा प्रखंड के झामुमो सह सचिव काजू मल्लिक की ओर से साहिबगंज जिला वासियों को 79 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकमानाएं

समुद्र के उत्तर और हिमालय के दक्षिण का देश भारत के स्वतंत्रता के 79वें पावन दिवस के अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

निवेदक:-

विजय कुमार दूबे

जिला सचिव

भारत स्काउट एवं गाइड, दुमका।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक

उधवा कांग्रेस प्रखंड उपाध्यक्ष सह समाजसेवी सैयद महबूब आलम की ओर से साहिबगंज जिला वासियों को 79 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकमानाएं

अनेकता में एकता को प्रस्तुत करता संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न राष्ट्र भारत के स्वतंत्रता के 79वें पावन दिवस के अवसर पर नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र की तमाम जनता को मेरी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं एवं झारखंडी मानोत जोहार।

निवेदक

उमेश पंडा

जन प्रिय युवा समाजसेवी सह नगर अध्यक्ष आजसू पार्टी, नगर पंचायत बासुकीनाथ(दुमका)।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

ADITYA BIRLA

HINDALCO

HINDALCO INDUSTREIS LIMITED

MURI WORKS: CHOTA MURI

DISTRRICT: RANCHI JHARKHAND

स्वतंत्रता दिवस के शुभ मौके पर मुरी- सिल्ली समेत पूरे झारखंड एवं समस्त भारतवासी को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक

श्री सुधांशु रंजन प्रमाणिक

प्रधानाध्यापक सह निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी, पीएम श्री राजकीय कृत मध्य विद्यालय, ग्राम विकास, सिल्ली रांची।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर सिल्लीवासी, झारखंडवासी एवं समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

यह बात हवाओं को भी बताए रखना,
रोशनी होगी चिरागों को जलाए रखना,
लहू देकर जिसकी हिफाजत हमने की,
ऐसे तिरंगे को सदा दिल में बसाए रखना.

निवेदक

अभय कुमार मांझी

चेयरमेन सोशल एंड मीडिया जेनरिक फैमिली फाउंडेशन ,झारखंड

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक

उधवा कांग्रेस प्रखंड उपाध्यक्ष सह समाजसेवी सैयद महबूब आलम की ओर से साहिबगंज जिला वासियों को 79 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकमानाएं

अनेकता में एकता को प्रस्तुत करता संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न राष्ट्र भारत के स्वतंत्रता के 79वें पावन दिवस के अवसर पर नगर पंचायत बासुकीनाथ क्षेत्र की तमाम जनता को मेरी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं एवं झारखंडी मानोत जोहार।

निवेदक

उमेश पंडा

जन प्रिय युवा समाजसेवी सह नगर अध्यक्ष आजसू पार्टी, नगर पंचायत बासुकीनाथ(दुमका)।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर कोंचो पंचायत वासी, झारखंडवासी एवं तमाम देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक

भीम महतो

पंसस कोंचो सिल्ली

गौतम बुद्धा आवासीय विद्यालय की ओर से स्वतंत्रता दिवस के शुभ मौके पर मुरी- सिल्ली समेत पूरे झारखंड एवं समस्त भारतवासी को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

निवेदक

श्री अरुण कुमार महतो

निदेशक : छोटा मुरी ,रांची

समर कार्यक्रम

समर
पोषण - स्वास्थ्य - समृद्धि

आओ मिलकर कुपोषण मिटाएं,
पोषण-स्वास्थ्य-समृद्धि की ओर कदम बढ़ाएं

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव की ओर से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

उपायुक्त ने अपने आवासीय कार्यालय में किया ध्वजारोहण

जिले वासियों को दी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

संवाददाता

रांची: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने अपने आवासीय कार्यालय में ध्वजारोहण किया। उन्होंने इस शुभ अवसर पर सभी जिला वासियों को स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं।

समारोह में उप-विकास आयुक्त रांची, सौरभ कुमार भुवनिया, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक, अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची, उत्कर्ष कुमार, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी रांची, मोनी कुमारी, अपर समाहर्त्ता रांची, रामनारायण सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी रांची, अखिलेश कुमार, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी रांची, उर्वशी पांडे, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रांची, केके राजहंस, एसएआर रांची, मनीषा तिर्की, निदेशक डीआरडीए रांची, जिला नजारत उप समाहर्ता सह ओएसडी उपायुक्त रांची, सुधेश कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रांची, जिला पंचायतीराज पदाधिकारी, राजेश कुमार साहू, उप निर्वाचन पदाधिकारी रांची, बिवेक कुमार सुमन, उप निदेशक सामाजिक सुरक्षा रांची रविशंकर मिश्रा, अंचल अधिकारी रांची (शहरी) और अन्य अधिकारी शामिल रहे।

जेके इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने किया ध्वजारोहण

रांची: स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झारखंड पुलिस मुख्यालय में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने झंडोत्तोलन किया। 79वें स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराने के बाद डीजीपी ने कहा कि झारखंड पुलिस हर मोर्चे पर बेहतर करने का कार्य कर रही है।

डीजीपी ने बताया कि झारखंड पुलिस ने अनेकों चुनौतियों का सामना करते हुए इस साल जनवरी से जून तक (अर्धवार्षिक) राज्य में कुल 197 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। जबकि 1। नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और 17 नक्सली पुलिस मुठभेड़ में मारे गए हैं। इस साल झारखंड में नक्सल उन्मूलन अभियान में कुल 4 पुलिस पदा०/कर्मी अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए शहीद हुए हैं।

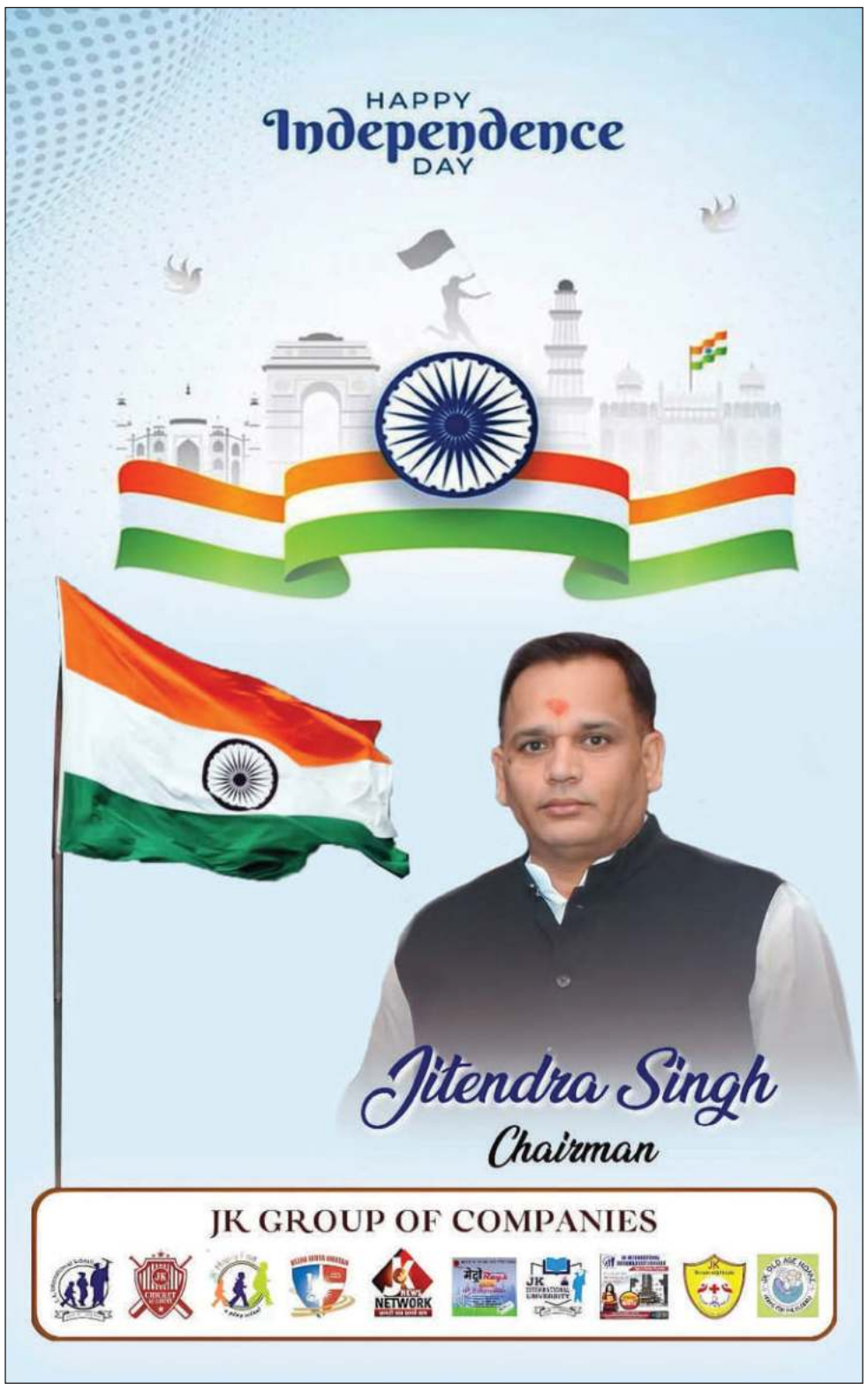

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

D.A.V. PUBLIC SCHOOL
Reg.no. 137/3/2019, Udise no. 20050604817
Website : www.davdomchanch.com
कक्षा नर्सरी से दशम् तक
सत्र : 2026 - 27
नामांकन जारी है...

At : Karakhut Road, Near Bangai Govt. School, Domchanch
Mob .-9110085806, Off No. -9162343290

कीटनाशी छिड़काव के दौरान
छिड़काव कर्मियों के लिए दिशा-निर्देश

कीटनाशी छिड़काव का प्रहार
बालू मक्खियों पर वार

क्या करें (✓)	क्या न करें (x)
छिड़काव दल विनम्र व्यवहार के साथ घर के मालिकों को कालाजार संबंधित जानकारी से अवगत करायें एवं छिड़काव के महत्व को बताकर घर में छिड़काव हेतु अनुमति लें।	किसी भी घर को छिड़काव से वंचित न रहने दें।
सभी उपकरण जैसे छिड़काव पम्प, सुरक्षा वस्त्र, बाल्टी, मापक, कीटनाशक, दल के साथ सही स्थिति में उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। साथ ही छिड़काव कर्मी प्रतिदिन लक्ष्य हासिल करना सुनिश्चित करेंगे।	छिड़काव कर्मी कीटनाशी छिड़काव के दौरान न कुछ खायेंगे और न ही धूम्रपान करेगें।
छिड़काव हेतु घोल बनाते समय हाथों में दस्ताने एवं नाक पर मास्क अवश्य पहनें। छिड़काव करते समय हमेशा व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE Kit) का प्रयोग अवश्य करें।	बिना व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE Kit) पहनें छिड़काव कार्य ना करें। घर की बाहरी दीवारों पर छिड़काव ना करें।
छिड़काव कर्मियों द्वारा उपस्थिति पंजी में उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य होगा। किसी कर्मी के अनुपस्थित रहने पर संबंधित क्षेत्र के MTS/KTS को दूरभाष पर जानकारी देना आवश्यक होगा। प्रतिदिन कीटनाशी की खपत का Stock Register में संधारण अनिवार्य होगा।	छिड़काव किये गए घरों के बाहर स्टेंसिल बनाना नहीं भूलें एवं फॉल्स स्टेंसिल न बनाएँ।
छिड़काव के बाद सभी उपकरणों को तीन बार धोयें। धोने के उपरांत बचे हुए सारे पानी को गाँव से दूर गड्ढा खोद कर डालें।	छिड़काव के बाद सभी उपकरणों को धोने के उपरांत बचे हुए पानी को गाँव के सार्वजनिक स्थलों में नहीं फेकें तथा सुरक्षा वस्त्रों को अन्य वस्त्रों के साथ ना रखें।
किसी छिड़काव कर्मी को स्वास्थ्य संबंधी शिकायत होने पर इसकी सूचना अपने पर्यवेक्षक को दें।	किसी छिड़काव कर्मी को यदि कमजोरी, सिरदर्द, थकान, नेत्र अथवा त्वचा में जलन, नशीली चीजों का सेवन, साँस लेने में तकलीफ या अन्य कोई गंभीर रोग की शिकायत है, तो उन्हें छिड़काव कार्य की अनुमति नहीं है।

कालाजार की जाँच और उपचार
सभी सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मुफ्त उपलब्ध है।

आइए निष्ठापूर्ण जिम्मेदारी निभाएँ, अपने गांव से कालाजार को दूर भगाएं

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

बेटी बचाओ
save the girl child

स्वतंत्रता दिवस पर कोडरमा वासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

बेटी हुई है तो
खुशियाँ क्यूँ ना बढ़े

कन्या भ्रूण हत्या महिलाओं के विरुद्ध हिंसा का सबसे जघन्य अपराध है

आयें हाथ मिलाएँ-बेटी बचाएँ

जिला स्वास्थ्य समिति, कोडरमा
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं प० क० विभाग, झारखंड सरकार

सूक्ति

क्रोध को क्षमा से, विरोध को अनुरोध से, घृणा को दया से, द्वेष को प्रेम से और हिंसा को अहिंसा की भावना से जीतो

कुत्तों पर सुप्रीम नकेल

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आवारा कुत्तों की नकेल कसने और उन्हें आश्रय-गृहों में रखने पर सर्वोच्च अदालत का फैसला मानवीय है, क्योंकि कई इलाकों में कुत्ते यमदूत बने हैं। वे बच्चों और बुजुर्गों को काट रहे हैं, नतीजतन देश में करीब 5700 मौतें हर साल रेबीज के कारण होती हैं। देश की राजधानी में ही करीब 10 लाख लावारिस कुत्तों का अनुमान है। इतनी आबादी तो 37 देशों की भी नहीं है। दिल्ली के तीन बड़े अस्पतालों में इसी साल करीब 91,009 कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए हैं। समझा जा सकता है कि आवारा कुत्तों का जानलेवा खतरा कितना भयावह है? लेकिन सर्वोच्च अदालत के फैसले को एकतरफा और स्वाभाविक न्याय के खिलाफ मानने वाले व्यक्ति और संगठन दिल्ली में सडकों पर उतर आए हैं। वे देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई से अनुरोध कर रहे हैं कि फैसले पर पुनर्विचार किया जाए। उनके सवाल हैं कि आठ सप्ताह (यानी 2 माह) में क्या किया जा सकता है? दिल्ली के 4 जोन के एक सर्वेक्षण के मुताबिक, राजधानी में 1.89 लाख कुत्ते हैं और निकटवर्ती नोएडा, ग्रेटर नोएडा में 35,000 कुत्ते हैं। पूरी राजधानी दिल्ली में कुत्तों की संख्या ज्यादा है। कुत्तों को रखने, उनकी देखभाल करने, उन्हें पर्याप्त भोजन देने, उनकी चिकित्सा और नसबंदी आदि व्यवस्थाओं के लिए आश्रय-स्थल, कर्मचारी और बजट कहां हैं? पशु-प्रेमी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी का कहना है कि दिल्ली में 3 लाख कुत्तों के लिए करीब 3000 आश्रय-गृह चाहिए। देखरेख के लिए 1.5 लाख लोगों की जरूरत पड़ेगी। खाने-पिलाने और रखरखाव पर हर सप्ताह 3-4 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह फैसला व्यावहारिक नहीं है, लिहाजा प्रधानमंत्री हस्तक्षेप करें। फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिख कर फैसले की समीक्षा की गुहार लगाई है। जॉन इन्हें आवारा नहीं, सामुदायिक कुत्ते मानते हैं। लोग इनका सम्मान करते हैं और प्रेम भी करते हैं। ऐसी ही प्रतिक्रियाएं कई अतिविशिष्ट लोगों ने व्यक्त की हैं। पशु-प्रेमियों की दलीलें हैं कि कुत्ते देश की सीमाओं की रक्षा में योगदान देते हैं। बड़े मामलों, आपदाओं, हादसों और हत्याओं की गुत्थियां सुलझाने में भी कुत्तों की भूमिका अहम रही है और उसे सराहा गया है। लेकिन यह भी यथार्थ है कि दिल्ली की गलियों, इलाकों, पार्कों आदि सामुदायिक स्थलों पर आवारा कुत्ते सक्रिय हैं और वे बच्चों और बुजुर्गों पर हिंसक हमले करते रहे हैं। यह भी देखा गया है कि लोग उन्हें खाना, बिस्कुट, अंडे आदि खिलाते रहते हैं। फिर भी वे क्यों काटते हैं, यह प्रवृत्ति समझ में नहीं आई। शायद हिंसक होना ही कुत्ते की प्रवृत्ति होगी! सर्वोच्च अदालत ने यह मामला स्वतः संज्ञान लिया है, लिहाजा अदालत का आदेश है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन फैसले को लागू करने में बाधा बनेगा, तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। यदि इस समस्या को राष्ट्रीय संदर्भों में देखें, तो तीन मंत्रालयों का कहना है कि देश में करीब 1.53 करोड़ आवारा कुत्ते हैं। इनमें 70 फीसदी का टीकाकरण और नसबंदी एक ही साल में करने का लक्ष्य तय किया गया है। ये मंत्रालय हैं-आवास एवं शहरी कार्य, पंचायती राज एवं मत्स्य पालन एवं डेयरी मंत्रालय। दरअसल यह बेहद संवेदनशील मुद्दा भी है, क्योंकि कुत्ते बेजुबान प्राणी हैं। वे अपना पक्ष रखने में असमर्थ हैं। स्वाभाविक न्याय उन्हें भी मिलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने 22 जुलाई को संसद में बताया था कि बीते वर्ष देश में कुत्ते के काटने के कुल मामले 37,17, 336 थे, जबकि रेबीज से मौतें 54 थीं। रेबीज बेहद खतरनाक बीमारी है। बहरहाल इस समस्या का ठोस समाधान हो।

शिक्षण संस्थानों में विजन

हर आकाश पे तालीम के निशां, जिसने खोजे उसे वहीं मिले। प्रसन्नता का विषय यह कि राज्य सरकार शिक्षा में घटती छात्रों की तादाद और शिक्षण संस्थानों की घुट रही आवाज को लेकर चिंतित है। हमें नए दौर का हिमाचल चाहिए, तो नए रास्ते और नए इरादे भी चाहिए। शिमला में शिक्षा का नवजागरण करती हुई बैठक ने अगर यह ख्वाब लिया कि आइंदा कुछ विशिष्ट महाविद्यालय चाहिएं, तो इस कारवां को गति मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विज्ञान, कला और खेलों पर आधारित स्पेशल कालेजों की रूपरेखा को अंजाम तक पहुंचाने की इच्छा जाहिर की है। हिमाचल में सरकारी भवनों की कमी नहीं, बस उनमें गुणवत्ता का प्रवेश बाकी रह गया है। न केवल कालेज बल्कि मेडिकल व अन्य संस्थानों का भी गुणवत्ता के लिहाज से स्थापन व मूल्यांकन होना चाहिए। बिलासपुर में मत्स्य विभाग का निदेशालय स्थित है, तो क्या विभागीय तौर पर हिमाचल में मछली की मांग पर कभी सर्वेक्षण हुआ। क्या विभाग ने मत्स्य आखेट के प्रतिबंधित महीनों के दौरान आपूर्ति का कोई विकल्प स्थापित किया। ऐसे में हमारा मानना है और हम इन्हीं कालमों में कहते रहे हैं कि पौंग डैम के किनारे स्थापित किए गए नगरोटा सूरियां कालेज को स्टेट कालेज ऑफ फिशरीज स्टडी बना देना चाहिए। इतना ही नहीं इस कालेज को प्रवासी पक्षी अध्ययन केंद्र तथा वाटर स्पोर्ट्स सेंटर के रूप में हर सुविधा और फैकल्टी प्रदान की जाए, तो पौंग बांध से जुड़ी पर्यटन आर्थिकी में भी विकास होगा। सरकार ने बीड-बिलिंग में पैराग्लाइडिंग स्कूल बनाया, लेकिन बेहतर होता इसे बैजनाथ या जोगिंद्रनगर के कालेज के स्पोर्ट्स विंग के रूप में विकसित किया जाता। धर्मशाला तथा बिलासपुर में भारतीय खेल प्राधिकरण के दो स्पोर्ट्स हॉस्टल अपनी उपलब्धियों के जनक बने, तो इस एहसास को शिक्षा के साथ जिंदा रखने के लिए यहां के सरकारी स्कूलों तथा कालेजों में खेल विंग स्थापित करके एक खास पाठ्यक्रम के तहत खिलाड़ियों की उपाधियां सुनिश्चित की जा सकती हैं। हमारा मानना और यह वक्त की जरूरत है कि राज्य अपने मौजूदा ढांचे के तहत नई ऊर्जा व गुणवत्ता का संचार करने के लिए पूरी पद्धति बदल दे। मसलन हमीरपुर के कालेज को स्नातकोत्तर के विभिन्न विषयों में उलझाने के बजाय स्टेट कालेज ऑफ डिफेंस स्टडीज बना कर इसके साथ डिफेंस सर्विसिज में प्रवेश के लिए अकादमी भी शुरू की जाए, तो यहां से शिक्षा का ताल्लुक सैन्य, अर्द्ध सैन्य व पुलिस सेवाओं में प्रवेश के लिए होगा। नादौन के अमतर क्रिकेट स्टेडियम को अगर नेशनल कालेज ऑफ क्रिकेट के दर्जे के साथ जोड़ दिया जाए, तो राष्ट्र की प्रतिभा हिमाचल की मिट्टी पर पलने लगेगी। हमें चंबा के एक हजार वर्ष के इतिहास को सहेजते हुए पर्वतीय कलाओं, धरोहर व वास्तु शास्त्र पर केंद्रित ऑर्ट एंड आर्टिटेक्चरल संस्थान स्थापित करना चाहिए। इसी तर्ज पर प्रदेश के दस-बारह कालेजों को स्टेट कालेज का दर्जा देते हुए इनके परिसरों को डिग्री, स्नातकोत्तर तक ही नहीं अनुसंधान तक के विजन तक पहुंचाना चाहिए। दरअसल शिक्षण संस्थानों को विजन के संस्थान बनाने की जरूरत है। इसी तरह क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों को आधुनिक मेडिसन के साथ-साथ अन्य पद्धतियों के साथ सुसज्जित करते हुए किसी न किसी रोग विशेष का राज्य स्तरीय दर्जा देना चाहिए। उदाहरण के लिए अगर ऊना के अस्पताल को राज्य स्तरीय हड्डी रोग अस्पताल एवं अनुसंधान संस्थान का दर्जा दें, तो सोचिए वहां हिमाचली डाक्टरी के मानदंड क्या होंगे। प्रदेश में ही लोग विशेष रोगों के लिए पड़ोसी राज्यों के बजाय हिमाचल के भीतर ऐसे स्पेशल अस्पतालों की गुणवत्ता के हिसाब से जाना पसंद करेंगे। बहरहाल शिक्षा जिस मोड़ पर आकर विशिष्ट कालेजों का चयन कर रही है।

स्वतंत्रता का संकल्प और भारत की यात्रा

‘ भारत और पाकिस्तान के जन्म के साथ ही इंसानियत की एक बड़ी परीक्षा भी सामने थी। इसके बावजूद, देश ने लोकतंत्र, एकता और विकास के मार्ग को चुना। डा. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई, जिसने 26 जनवरी 1950 को भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। आजादी के शुरूआती वर्षों में भारत के सामने अनेक चुनौतियां थीं, आर्थिक पिछड़ापन, औद्योगिक आधार की कमी, कृषि पर अत्यधिक निर्भरता, शिक्षा का सीमित प्रसार, और स्वास्थ्य सेवाओं की नगण्य स्थिति। सड़कों, बिजली, परिवहन और संचार के साधनों की भारी कमी थी। इन परिस्थितियों में पंडित नेहरू ने पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से औद्योगिकीकरण, सिंचाई परियोजनाओं और विज्ञान-तकनीक के ’

सिं

दूर तिलकित भाल हमारा, वीरों ने बलिदान किया, धरती मां के गौरव हेतु, अपना जीवन दान किया। ये शब्द हैं माखनलाल चतुर्वेदी के। स्वतंत्रता दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी है। यह दिन हमें अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य तीनों से जोड़ता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि आजादी किसी एक क्षण में नहीं मिली, बल्कि यह सदियों की लंबी, कठिन और बलिदानी यात्रा का परिणाम है।

सिकंदर बंसल

यह वह दिन है जब हम उन अनगिनत वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें स्वतंत्रता दिलाई। भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, पंडित जवाहरलाल नेहरू, खान अब्दुल गफ्फार खान, अरुणा आसफ अली, मातंगिनी हाजरा, भीकाजी कामा जैसे नायक इतिहास के पन्नों में अमर हैं। इनके साथ ही असंख्य ऐसे अनाम नायक भी थे। जिनके नाम शायद इतिहास की किताबों में दर्ज नहीं, लेकिन उनके बलिदान ने इस भूमि को स्वतंत्रता के अमृत से सींचा। 15 अगस्त 1947 की सुबह जब पंडित नेहरू ने दिल्ली के लाल किले से तिरंगा फहराया और नियति से तिथि का ऐतिहासिक भाषण दिया, तब भारत ने न केवल औपनिवेशिक दासता से मुक्ति पाई, बल्कि एक नए युग में कदम रखा। लेकिन यह आजादी खून और आंसुओं से भीगी थी- विभाजन का दर्द, सांप्रदायिक दंगे, लाखों लोगों का विस्थापन।

भारत और पाकिस्तान के जन्म के साथ ही इंसानियत की एक बड़ी परीक्षा भी सामने थी। इसके बावजूद, देश ने लोकतंत्र, एकता और विकास के मार्ग को चुना। डा. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई, जिसने 26 जनवरी 1950 को भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। आजादी के शुरूआती वर्षों में भारत के सामने अनेक चुनौतियां थीं, आर्थिक पिछड़ापन, औद्योगिक आधार की कमी, कृषि पर अत्यधिक निर्भरता, शिक्षा का सीमित प्रसार, और स्वास्थ्य सेवाओं की नगण्य स्थिति। सड़कों, बिजली, परिवहन और संचार के साधनों की भारी कमी थी। इन परिस्थितियों में पंडित नेहरू ने पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से औद्योगिकीकरण, सिंचाई परियोजनाओं और विज्ञान-तकनीक के विकास की नींव रखी। भाखड़ा-नंगल बांध, आईआईटी की स्थापना, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा कार्यक्रमों की शुरूआत- ये सब उसी दौर की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम थे। 1960 और 70 के दशक में भारत ने दो बड़ी क्रांतियां देखीं- हरित क्रांति और श्वेत क्रांति। हरित क्रांति के तहत पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उच्च उत्पादकता वाले बीज, रासायनिक उर्वरक और सिंचाई सुविधाओं ने खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता दिलाई। श्वेत क्रांति के रूप में ऑपरेशन फ्लड ने भारत को विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना दिया। इन कदमों ने खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी। लोकतंत्र ने इस दौरान कई कठिन दौर भी देखे- 1962, 1965 और 1971 के युद्ध।

1975-77 का आपातकाल। 1984 के दंगे। उत्तर-पूर्व और कश्मीर की अशांति। फिर भी, लोकतांत्रिक ढांचा जीवित रहा और हर बार जनता ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर सत्ता में बदलाव लाया। सामाजिक न्याय की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण, महिला सशक्तिकरण, बाल श्रम निषेध, और शिक्षा का अधिकार कानून। 1991 का आर्थिक उदारीकरण भारत के इतिहास में एक बड़ा मोड़ था। विदेशी निवेश, निजीकरण और वैश्विक व्यापार के लिए दरवाजे खुलने से आईटी, सेवा क्षेत्र और विनिर्माण में तेजी आई। बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहर वैश्विक तकनीकी केंद्र बने। आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 90 करोड़ से अधिक मतदाताओं वाला सबसे बड़ा लोकतंत्र। अंतरिक्ष में चंद्रयान और मंगलयान की सफलता, कोविड-19 के दौरान वैक्सीन निर्माण और आपूर्ति, तथा जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी ने भारत की वैश्विक स्थिति को और मजबूत किया है। इन 78 वर्षों में हमने बहुत कुछ हासिल किया है- शिक्षा का प्रसार हुआ है, लाखों युवा इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और उद्यमी बनकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीबों को उपचार का अधिकार दिया। गांव-गांव तक सडक, बिजली और इंटरनेट पहुंचा। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। खेलों में भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है, ओलंपिक और पैरालंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों ने देश को गौरवान्वित किया है। योग, आयुर्वेद और भारतीय खानपान अब वैश्विक संस्कृति का हिस्सा बन चुके हैं। फिर भी चुनौतियां मौजूद हैं- बेरोजगारी और आर्थिक विषमता, पर्यावरण प्रदूषण, वनों की कटाई, नदियों का प्रदूषण और जल संकट। ग्रामीण-शहरी असमानता आज भी बड़ी समस्या है। भ्रष्टाचार और राजनीतिक स्वार्थ ने कई बार विकास की गति धीमी की है। लोकतांत्रिक संवाद और सहिष्णुता की भावना में कमी महसूस होने लगी है, और कभी-कभी सामाजिक सौहार्द को ठेस पहुंचाने वाली घटनाएं सामने आती हैं। स्वतंत्रता सेनानियों का सपना केवल राजनीतिक स्वतंत्रता का नहीं था, बल्कि एक ऐसे भारत का था जहां हर नागरिक को समान अवसर, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान मिले। हमें यह स्वीकार करना होगा कि इस दिशा में अभी काफी काम बाकी है। गांवों में आज भी स्वास्थ्य सुविधाएं अपर्याप्त हैं, शिक्षा का स्तर असमान है, और महिलाएं कई क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना कर रही हैं। फिर भी, उम्मीद की किरणें स्पष्ट हैं। युवाओं में ऊर्जा, नवाचार और बदलाव लाने की इच्छा है।

भारत को अमेरिका का सहयोगी बनना चाहिए?

‘ हमारे नेताओं को पता होना चाहिए कि हालांकि ट्रंप का रवैया कठोर है, परंतु जल्द ही अमेरिका कांग्रेस जो कर सकती है, उसकी तुलना में यह कुछ भी नहीं। सेनेट में अमरीकी कानून निमार्ता वह बिल पास करने को लगभग तैयार हैं जो रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। 100 सदस्यों के सदन में विधेयक के 80 संयुक्त प्रायोजक हैं और इसके सितंबर में पारित होने की संभावना है। स्पष्ट है कि भारत का रूस को समर्थन, ट्रंप के दुर्व्यवहार का प्रमुख कारण है। रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने को मध्यस्थता के प्रयासों के बीच वह भारत को अपने पाले में चाहते हैं। सेनेट में विधेयक को खुला समर्थन एक इशारा है कि शांति स्थापित करने के उनके प्रयासों पर अमेरिका के लोगों का धैर्य समाप्त हो रहा है। ’

भा

रत- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बहुत अधिक नाराज है। वह स्वयं को भारत का मित्र बताते हैं, परंतु उन्होंने अभी-अभी हमारी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को मृत घोषित कर दिया और संयुक्त राज्य अमेरिका को हमारे निर्यात पर पंगु बना देने वाला 50 फीसदी टैरिफ (शुल्क) जड़ डाला। यह अमेरिका द्वारा किसी भी देश से सर्वाधिक वसूलियों में एक है। इस पर भारत की अभी तक की प्रतिक्रिया अमेरिका को चुनौती देगें, तेवर दिखाने, और इसके प्रतिद्वंद्वियों से बात करने जैसे भ्रमित कदमों तक सीमित

भानु धमीजा

है। ऐसी खबरें हैं कि भारत कुछ अमेरिका हथियारों की खरीद भी रोक सकता है। परंतु भारतीय नेताओं के लिए यह तय करने का समय आ गया है कि क्या भारत की पुरानी गुटनिरपेक्ष नीति को छोडकर अमरीका के साथ समान हित साधे जाएं।

ट्रंप ने अपने अमित्रतापूर्ण कृत्यों के दो कारण बताए हैं : भारत बड़ी तादाद में अमेरिका उत्पाद नहीं खरीदता, और अमेरिका प्रतिबंधों के बावजूद बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है। पहला 25 फीसदी टैरिफ लगाते हुए ट्रंप ने कहा, भारत अच्छा व्यापार सहयोगी नहीं रहा है क्योंकि वह हमारे साथ बड़ी मात्रा में कारोबार करता है, लेकिन हम उससे व्यापार नहीं करते। हालांकि रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ का ट्रंप का दूसरा हमला है, जिस पर भारत को ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। हमारे नेताओं को पता होना चाहिए कि हालांकि ट्रंप का रवैया कठोर है, परंतु जल्द ही अमेरिका कांग्रेस जो कर सकती है, उसकी तुलना में यह कुछ भी नहीं। सेनेट में अमरीकी कानून निमार्ता वह बिल पास करने को लगभग तैयार हैं जो रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। 100 सदस्यों के सदन में विधेयक के 80 संयुक्त प्रायोजक हैं और इसके सितंबर में पारित होने की संभावना है। स्पष्ट है कि भारत का रूस को समर्थन, ट्रंप के दुर्व्यवहार का प्रमुख कारण है। रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने को मध्यस्थता के प्रयासों के बीच वह भारत को अपने पाले में चाहते हैं। सेनेट में विधेयक को खुला समर्थन एक इशारा है कि शांति स्थापित करने के उनके प्रयासों पर अमेरिका के लोगों का धैर्य समाप्त हो रहा है। रूस को संघर्ष रोकने के लिए राजी करने के ट्रंप के अवसर बढ़ जाएंगे, यदि भारत और चीन अपनी तेल खरीद कम करें, या रोक दें। ये दोनों देश इतना तेल खरीदते हैं जिससे रूस का लड़ाई में कुल खर्चा लगभग 100 बिलियन डॉलर पूरा होता है। एक मित्र , भारत पर इतना अधिक दबाव बनाकर, ट्रंप चीन और रूस को इशारा दे रहे हैं कि वह अपनी ट्रेड नीति के प्रयोग से युद्ध रोकने के प्रति अत्यधिक गंभीर हैं। वर्तमान में वह उन दोनों देशों से मोलभाव कर रहे हैं और लग रहा है कि बातचीत अंतिम चरण में है। भारत के लिए खुशखबरी होगी यदि ट्रंप युद्ध रुकवाने में सफल रहें और संकट टल जाए। यह संभव है कि दोनों देश तालमेल से चल रहे हैं, ताकि रूस व चीन को संदेश देने में ट्रंप को मदद मिले। संभव है इसीलिए रूसी तेल खरीदने पर भारत पर दंडस्वरूप लगाया गया 25 फीसदी टैरिफ 21 दिन के लिए टाल दिया गया है।

परंतु यदि संकट कायम रहता है, तो दोराहे पर खड़े भारत को एक पक्ष चुनना ही होगा। भारत ऐसा करने से अनिच्छुक रहा है, क्योंकि यह यूक्रेन युद्ध को यूरोप का संघर्ष मानता है। परंतु अमरीका की नीति, फिर चाहे ट्रंप हों या न हों, भारत को इस सोच पर चलने को बहुत मुश्किल बनाने जा रही है। भारत इसके दूरगामी परिणाम भुगतेगा जो और भी कठिन आर्थिक प्रतिबंधों से लेकर अमेरिका के पाकिस्तान के और करीब जाने तक संभव हैं। ट्रंप पाकिस्तान के सेना प्रमुख से पहले ही मिल चुके हैं और उनके देश के तेल भंडारों को विकसित करने में अमेरिका सहायता का वचन दे चुके हैं।

भारत की 75 वर्ष पुरानी गुटनिरपेक्ष नीति इस प्रकार अब तक के सर्वाधिक कठिन समयों में से एक का सामना कर रही है। अगर मोदी सरकार प्रधानमंत्री नेहरू द्वारा 1949 में रेखांकित नीति की मौलिक परिभाषा का सख्ती से पालन करती है, तो यह शांति, अतः ट्रंप के पाले में खड़ी होगी। नेहरू ने कहा था कि भारत की विदेश नीति का उद्देश्य ह्यह्यकिसी सुपरपावर या समूह से गठबंधन के बजाय हर विवादास्पद अथवा विवादित मसले का एक स्वतंत्र दृष्टिकोण के माध्यम से शांति की खोज करना है। रूस-यूक्रेन युद्ध की समाप्ति निश्चित तौर पर शांति की खोज है और रूस का समर्थन बंद कर भारत एक स्वतंत्र दृष्टिकोण का सही निर्णय लेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने पहले ही कह दिया है कि रूसी तेल की खरीद कम करने से भारत की मुद्रास्फीति पर मामूली प्रभाव पड़ेगा। गुटनिरपेक्षता की नीति के पांच मूल सिद्धांत (पंचशील) भी भारत द्वारा रूस का समर्थन करने के पक्ष में नहीं हैं। ये सिद्धांत हैं : क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, गैर आक्रामकता, हस्तक्षेप न करना, समानता, और शांतिपूर्ण सह अस्तित्व। रूस ने जब यूक्रेन पर आक्रमण किया तो इन सबका उल्लंघन किया। भारत की परेशानी यह है कि इसकी गुटनिरपेक्षता की नीति अवसरवाद का शॉर्टहैंड बन गई है। एक सुपरपावर के खिलाफ दूसरी का खेल खेलने ने देश को कुछ सामरिक लाभ दिए होंगे, पर इससे हमने कोई भी मजबूत मित्र नहीं बनाए हैं। हमारे ताजातरीन सैन्य संघर्ष के दौरान जब चीन ने सरेआम पाकिस्तान का साथ दिया तो रूस कहां था? परंतु प्रधानमंत्री मोदी इसी अवसरवाद की नीति पर चल रहे हैं। एकमात्र अंतर यह है कि उनके विदेश मंत्री एस. जयशंकर इसे बहु-गठबंधन नाम देना चाहते हैं। इस नीति की असफलता वर्ष 1962 में ही स्पष्ट थी, जब चीन ने भारत पर आक्रमण किया। नेहरू ने सैन्य सहायता की चाह में रूस नहीं, बल्कि अमेरिका से संपर्क साधा। तत्कालीन राष्ट्रपति कैनेडी ने महत्वपूर्ण सैन्य और अन्य संबंधित मदद उपलब्ध भी करवाई। अमेरिका में भारत के राजदूत बीके नेहरू ने लिखा, ह्यह्यहम गुटनिरपेक्षता की बात करते हैं, पर कम से कम चीन के खिलाफ हम

परम अनुभव

चिंतन-मनन

चे

तन रूप से हम चुनते नहीं कि हम जन्म लें। सचेतन रूप से सिर्फ एक ही मौका आता है चुनने का वह तब आता है जब पूरी तरह व्यक्ति स्वयं को जान लिया होता है। वह घटना घट गई होती है जिसके आगे पाने को कुछ नहीं होता। ऐसा क्षण आ जाता है जब वह व्यक्ति कह सकता है कि अब मेरे लिए कोई भविष्य नहीं है,क्योंकि मेरे लिए कोई वासना नहीं है। ऐसा कुछ भी नहीं है जो मैं न पाऊ तो मेरी कोई पीड़ा है। यह बहुत ही शिखर का क्षण है पीक। इस शिखर पर ही पहली दफा स्वतंत्रता मिलती है। अब यह बड़े मजे की बात है और जीवन के रहस्यों में से एक कि जो चाहेंगे कि स्वतंत्र हों वे स्वतंत्र नहीं हो पाते हैं और जिसकी अब कोई चाह नहीं रही वे स्वतंत्र हो जाते हैं। जो चाहते हैं कि यहां जन्म ले लें वहां जन्म ले लें, उनके लिए कोई उपाय नहीं है। और जो अब इस स्थिति में है कि कहीं जन्म लेने का कोई सवाल न रहा, अब वह इस सुविधा में है कि वह चाहे तो कहीं ले ले,लेकिन यह भी एक ही जन्म के लिए संभव हो सकता है। इसलिए नहीं कि एक जन्म के बाद उसे स्वतंत्रता नहीं रह जाएगी जन्म लेने की। स्वतंत्रता तो सदा होगी, लेकिन एक जन्म के बाद स्वतंत्रता का उपयोग करने का भाव भी खो जाएगा। वह अभी रहेगा। स्वतंत्रता मिलते ही, इस जन्म में यदि आपको घटना घट गई परम अनुभव की, तो स्वतंत्रता तो मिल गई आपको, लेकिन जैसा कि सदा होता है,स्वतंत्रता मिलने के साथ ही स्वतंत्रता का उपयोग करने की जो भाव-दशा है वह एकदम नहीं खो जाएगी। उसका अभी उपयोग किया जा सकता है। जो बहुत गहरे जानते हैं वे कहेंगे, यह भी एक बंधन है। इसलिए जैनों ने जिन्होंने इस दिशा में सर्वाधिक गहरी खोज की इस दिशा में जैनों की खोज की कोई भी तुलना नहीं है सारे जगत में इसलिए उन्होंने तीथृकर गोत्रबंध इसको नाम दिया। यह आखिरी बंधन है,स्वतंत्रता का बंधन है। आखिरी कि इसका भी उपयोग कर लेने का एक मन है। वह भी मन ही है। इसलिए सिद्ध तो बहुत होते हैं तीर्थकर सभी नहीं होते। तीर्थकर होने के लिए यानी इस स्वतंत्रता का उपयोग करने के लिए एक विशेष तरह के कर्मों का जाल अतीत में होना चाहिए। शिक्षक होने का, वह टीचरहुड का एक लंबा जाल होना चाहिए। अगर वह पीछे है तो वह आखिरी धक्का देगा। और जो जान गया है वह कहा जाएगा। जो पाया गया है वह बताया जाएगा। जो मिला है वह बांटा जाएगा॥

आपके पत्र

भारत विभाजन की त्रासदी

1947, 14 अगस्त भारत का विभाजन एक अभिशाप था। यह केवल मात्र भारत की आत्मा पर चोट नहीं थी, बल्कि प्रत्येक भारतीय की अखंडता पर चोट थी, लाखों परिवार जो पंजाब-सिंध से नाता रखते थे, एक झटके में बेघर हो गए। इन परिवारों की आत्मा भारत माता के साथ जुड़ी थी। उनकी जमीन पाकिस्तान में जाते हुए पंजाब, सिंध, सियालकोट, गुजरांवाला में रह गई।

परदादा, परदादी, दादा, दादियों द्वारा सुनाई गई कहानियों पर वह विभाजन का इतिहास सभी स्मरण करते हैं। वह पंजाब की गलियां, घोड़ा गाड़ियों, रेलवे स्टेशन, ईंटों के घर, आज भी सभी को याद है। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस एक ऐसा दिन है जब विभाजन के समय हुए सभी अत्याचारों को हम स्मरण करते हैं।

आनंद वर्मा, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटुवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028
website : www.jknews.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

एसपी ने स्वतंत्रता दिवस पर दी सौगात
निलंबित पुलिसकर्मियों को किया निलंबन मुक्त

चतराः पुलिस लाइन चतरा में एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने स्वतंत्रता दिवस पर झंडोत्तोलन किया।साथ ही तिरंगे को सलामी दी। वहीं बेहतर कार्य करने वाले सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल, चतरा एसडीपीओ संदीप सुमन, इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक सिंह, राजपुर थाना प्रभारी संदीप कुमार व कुंदा थाना प्रभारी प्रिंस सिंह समेत दर्जनों पुलिस पदाधिकारियों व जवानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।स्वतंत्रता दिवस पर निलंबित पुलिसकर्मियों को एसपी ने बड़ी सौगात दी, सभी निलंबित पुलिसकर्मियों को निलंबन मुक्त करने की घोषणा की। वहीं होल्ड वेतन भी रिलीज करने की बात कही।

सिविल सर्जन ने कार्यालय में किया झंडोत्तोलन

चतराः सिविल सर्जन कार्यालय चतरा में 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिविल सर्जन डॉ जगदीश प्रसाद ने झंडा तोलन किया। इस अवसर पर डॉक्टर अजहर, डॉक्टर आशीष,डॉ अरविंद राजू नीरज कुमार,रविंद्र कुमार, राजेश कुमार अरुण सिंह प्रमुख थे।समारोह में उपस्थित डॉक्टरों और कर्मचारियों ने तिरंगे झंडे को सलामी दी और राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर डॉक्टरों ने देश की आजादी के लिए शहीद हुए वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी और देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया।सिविल सर्जन कार्यालय में आयोजित इस समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

बजरंगी महतो ने कॉलेज मे लगवाया वाटर प्यूरीफायर ,कहा-

शुद्ध पेयजल से जलजनित बीमारियां होंगी कम

संवाददाता

साहिबगंजः राज्य सरकार द्वारा सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए कई तरह के यत्न किए जाते हैं,लेकिन फिर भी कुछ शैक्षणिक संस्थान कई तरह की मूलभूत सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। इसके लिए कई समाजसेवी शैक्षणिक संस्थाओं की मदद करते हैं और कई प्रकार के उपकरण दान में देते हैं।इसी तरह से संध्या महाविद्यालय में पढ़ने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हिंदू धर्म रक्षा मंच के प्रदेश महासचिव बजरंगी महतो ने वाटर प्यूरीफायर दान में दिया। इससे विद्यार्थियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा।यह दान विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण कदम है।संध्या महाविद्यालय के प्राचार्य शंभूनाथ पाठक ने कहा कि समाजसेवी व हिन्दू धर्म रक्षा मंच के प्रदेश महासचिव बजरंगी महतो ने महाविद्यालय को पानी को साफ

करने वाला आरओ युक्त वाटर प्यूरीफायर दान में दिया।प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के लिए समय-समय पर समाजसेवियों द्वारा सेवा की जाती है, ताकि पढ़ने वाले गरीब परिवारों के विद्यार्थियों को कोई परेशानी न झेलनी पड़े।वहीं,बजरंगी महतो ने कहा कि शुद्ध पेयजल पीने से विद्यार्थियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा और जलजनित बीमारियों का खतरा कम होगा।यह वाटर प्यूरीफायर विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर में ही शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएगा,जिससे उन्हें पानी की तलाश में बाहर नहीं जाना पड़ेगा।प्राचार्य ने ऐसी सामाजिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि विद्या मंदिर को दान ही सच्ची दान है। जहां सैकड़ों विद्यार्थी पढ़ने आते हैं,उनकी सेवा ही असली सेवा है।मौके पर महाविद्यालय के व्याख्याता,विद्यार्थी व कर्मी उपस्थित थे।सभी ने दानी व्यक्ति का धन्यवाद किया।

अंसार फाउंडेशन ने किया झंडोत्तोलन

चतराः शहर के अंसार नगर में अंसार फाउंडेशन की ओर से झंडातोलन किया गया।झंडा तोलन रिटायर्ड शिक्षक हाजी नईम अंसारी ने की। मौके पर मुख्य रूप से मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद शाहनवाज, मोहम्मद कयूम अंसारी, मोहम्मद कौसर, मोहम्मद जिलानी, मोहम्मद अमजद, मोहम्मद सद्दाम व अन्य उपस्थित रहे।

सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने किया झंडोतोलन

सिल्लीः 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिल्ली थाना दिनेश ठाकुर ने परिसर स्तिथ कार्यालय में झंडोतोलन किया। पुलिस सुरक्षा बल के जवानों ने थाना प्रभारी के साथ राष्ट्रीय झंडे को सलामी दी। वही इस मौके पर प्रखंड विकास पदा धिकारी अनिल कुमार अंचलधिकारी अरुणिमा एक्का मातृछाया के निर्देशक विष्णु चरण महतो पंचायत प्रतिनिधि समेत क्षेत्र के कई लोग भी उपस्थित हुए।

जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव ने बाढ़ क्षेत्र में की जन सेवा

संवाददाता

साहिबगंज : शहर हो या दियारा क्षेत्र का बाढ़ प्रभावित एरिया सिर्फ एक ही नेता का नाम ओर चेहरा लोगो को जेहन में है। सुनील यादव जिला परिषद उपाध्यक्ष बाढ़ में लोगों के बीच जा जाकर एक- एक लोगों से मिल रहे है और मिलने के बाद उन तक राहत सामग्री चूड़ा गुड़ पहुंचा रहे है। जिला प्रशासन का अभी तक जहां तक अधिकारी नहीं पहुंचा वहां तक जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव पहुंचकर लोगों से मिलकर राहत सामग्री वितरण कर आए। शहर के रसूलपुर दहला में सबसे ज्यादा लोग शहरी क्षेत्र में प्रभावित हुआ है। नगर परिषद अभी तक लिस्ट ही बना रही है। दूसरी ओर

जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव लोगो के घर- घर पहुंचकर चूड़ा गुड़ का वितरण करते नजर आए। बाढ़ के पानी में फंसे लोगों ने कहा कि आज तक जिला प्रशासन नगर परिषद के अधिकारी कर्मी हूलकी मारने तक नहीं आया दूर से ही सूखा- सूखा में घूम के चले गये। लेकिन एक नेता सुनील यादव ही घर तक आए हाल चाल जाना और खाने को चूड़ा गुड़ दिए। जबकि जनता में यह अभी चर्चा है कि राजमहल विधायक झारखंड मुक्ति मोर्चा के एम टी रजा एकबार भी बाढ़ के समय क्षेत्र में नजर नहीं आ रहे हैं। जनता का कहना की वोट के समय राजमहल विधायक एमपी राजा ने कहा था की आपके दुख सुख मे मैं आपके साथ रहूंगा। लेकिन सभी वदा धूमिल नजर आ रहे हैं। जीतने के बाद एक बार भी जनता के बीच नहीं पहुंचे सिर्फ वोट लेने के लिए वादा करते हैं और जीतने के बद भूल जाते हैं। यह तो हाल है नेता की जीतने के पहले बहुत सपने दिखाए जाते हैं। की मैं यह करूंगा वह करूंगा अभी राजमहल क्षेत्र बाढ़ प्रभावित है। लेकिन एक बार भी नजर नहीं आए। यह तो हाल है राजमहल विधायक का ।

धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

मेट्रो रेज संवाददाता

झुमरी तिलैयाः तिलैया बस्ती स्थित झारखण्ड शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में 15 अगस्त 2025 को राष्ट्र के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झुमरी तिलैया कोडरमा में झण्डोत्तोलन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकम आयोजित हुआ इस अवसर पर समाजसेवी शिक्षाविद् एवं महाविद्यालय के सचिव महोदय डा. डी. एन. मिश्रा जी ने देश की आजादी में शहीद हुए वीरों को श्रद्वाजंलि अर्पित किये । इस अवसर पर प्राचार्य एवं समस्त शिक्षक, शिक्षकेत्तरकर्मी, अध्ययनरत प्रशिक्षु तथा झारखण्ड एजुकेशनल एण्ड कल्चरल डेवलपमेन्ट सोसाईटी के अर्न्तगत संचालित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहें।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता

रांचीः सीसीएल. जन आरोग्य केन्द्र गांधीनगर द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन गुरूवार को राजेंद्र नगर कॉलोनी सीसीएल राँची में किया गया । विशेषज्ञों डॉक्टरो ने 166 लोगों की निःशुल्क जाँच की और डॉक्टरी सलाह दिया। शिविर में विशेषकर हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर , हाइपरटेंशन का निःशुल्क जाँच किया गया और सभी को निःशुल्क दवा भी दिया गया । ज्ञात हो की सीसीएल द्वारा अपने हितधारकों तथा समाज के सभी जरूरतमंदों के बेहतर स्वास्थ्य

सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है। बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठाते हैं।

शिविर के सफल आयोजन में डॉ प्रीति तिग्गा सी एम ओ, सी एस आर, इंचार्ज, डॉ अनिता होरो, डॉ प्रियंका कुमारी, डॉ शिल्पी झा, डॉ पारूल मिश्रा, डॉ आराधना, डॉ प्रीति, मुन्ना कुमार सिंह, कमलेश पंडित, हरमन एवं सभी पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा ।

समाजसेवी चंद्रदेश्वर प्रसाद सिन्हा को अंग वस्त्र व सर्टिफिकेट देकर किया गया सम्मानित

एजेंसी

साहिबगंज : 79वे स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह स्थल सिदो कान्हु स्टेडियम में जिला प्रशासन की ओर से खेल कूद एवं सामाजिक कार्य के लिए जिला के प्रतिष्ठित समाजसेवी चंद्रदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा को अंग वस्त्र व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची

निविदा संख्या – पे०स्व०वि०/वितरण/01/2025–26

अल्पकालीन निविदा सूचना

विभागीय स्वीकृति ज्ञापांक–7/नि0का0–02–03/2018–33(स्वी0) राँची दिनांक–07.07.2025

1.	विज्ञापनदाता का पता	पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची।
2.	विज्ञापनदाता का पदनाम	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची।
3.	परिणाम विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि	22.08.2025 UPTO 5.00PM
4.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	23.08.2025 UPTO 3.30PM
5.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	23.08.2025 AT 4.00PM
6.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	विभागीय वेबसाईट www.dwsd.jharkhand.gov.in से डाउन लोड करना है।
7.	निविदा प्राप्ति का स्थान	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरणप्रमंडल, राँची।
8.	जिनके द्वारा निविदा खोली जायेगी।	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा क्रिरण प्रमंडल, राँची।

9. कार्य का विवरण

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Special repair of Executive Engineer Residence Qrt No A-01 at PHED Colony Booty Under D.W.& S. Distribution Division Booty Ranchi.	2488744/-	50000/-	5000/-	1Months

नोट :–
1. निविदा की शर्त्तें एवं परिमाण विपत्र विभागीय वेबसाईट www.dwsd.jharkhand.gov.in से Download किया जा सकता है।
2. प्राक्कलित राशि घट या बढ़ सकती है।
3. बिना कारण बताए निविदा रद्द किया जा सकता है।

(ई0 चन्द्रशेखर)
कार्यपालक अभियन्ता
पेयजल एवं स्वच्छता स्वर्णरेखा वितरण प्रमंडल, राँची।

PR 359668 (Drinking Water and Sanitation) 25-26 (D)

कृष्ण जन्माष्टमी के उपरान्त होता है नंदोत्सवः बाबा सुधीर

साहिबगंजः जिला अंतर्गत राजमहल स्थित कन्हैया स्थान में बड़े ही धूमधाम से कृष्ण जन्माष्टमी मनाया जाता आ रहा है । यहां देश-विदेश से कृष्ण भक्त पहुंचते हैं। इस संदर्भ में बाबा सुधीर मिश्रा ने बताया कि यह महत्वपूर्ण त्योहार है। विशेषकर हिन्दू धर्म की वैष्णव परम्परा में। भागवत पुराण जैसे रास लीला वा कृष्ण लीला के अनुसार कृष्ण के जीवन के नृत्य-नाटक की परम्परा, कृष्ण के जन्म के समय मध्यरात्रि में भक्ति गायन, उपवास व्रत रात्रि जागरण रात्रि जागरण और एक त्योहार महोत्सव अगले दिन जन्माष्टमी समारोह का एक भाग हैं। यह सभी राज्यों में पाए जाने वाले प्रमुख वैष्णव और निर्सांप्रदायिक

समुदायों के साथ विशेष रूप से मथुरा और वृंदावन में मनाया जाता है।कृष्ण जन्माष्टमी के उपरान्त त्योहार नंदोत्सव होता है। जो उस अवसर को मनाता है। जब नंद बाबा ने जन्म के सम्मान में समुदाय को उपहार वितरित किए।कृष्ण देवकी और वासुदेव आनकदुंदुभी के पुत्र हैं। और उनके जन्मदिन को हिंदुओं द्वारा जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है। विशेष रूप से गौड़ीय वैष्णववाद परम्परा के रूप में उन्हें भगवान का सर्वोच्च व्यक्तित्व माना जाता है। जन्माष्टमी हिंदू परंपरा के अनुसार तब मनाई जाती है। जब माना जाता है। कि कृष्ण का जन्म मथुरा में भाद्रपद महीने के आठवें दिन ग्रेगोरियन कैलेंडर में अगस्त और सितंबर के साथ अधिव्यपित की आधी रात को हुआ था।कृष्ण का जन्म अराजकता के क्षेत्र में हुआ था। यह एक ऐसा समय था जब उत्पीड़न बड़े पैमाने पर था। स्वतंत्रता से वंचित किया गया था। बुराई सब ओर थी और जब उनके मामा राजा कंस द्वारा उनके जीवन के लिए संकट था।श्रीकृष्ण जी भगवान विष्णु जी के अवतार हैं।जो तीनों लोकों के तीन गुणों सतगुण, रजगुण और तमोगुण में से सतगुण विभाग के प्रभारी हैं। भगवान का अवतार होने के कारण से श्रीकृष्ण जी में जन्म से ही सिद्धियां उपस्थित थी। उनके माता पिता वसुदेव और देवकी जी के विवाह के समय मामा कंस जब अपनी बहन देवकी को ससुराल पहुँचाने जा रहा था। तभी आकाशवाणी हुई थी जिसमें बताया गया था। कि देवकी का आठवां पुत्र कंस का अन्त करेगा। अर्थात यह होना पहले से ही निश्चित था अतः वसुदेव और देवकी को कारागार में रखने पर भी कंस कृष्ण जी को नहीं समाप्त कर पाया।मथुरा के बंदीगृह में जन्म के तुरंत उपरान्त, उनके पिता वसुदेव आनकदुन्दुभि कृष्ण को यमुना पार ले जाते हैं।जिससे बाल श्रीकृष्ण को गोकुल में नन्द और यशोदा को दिया जा सके।जन्माष्टमी पर्व लोगों द्वारा उपवास रखकर, कृष्ण प्रेम के भक्ति गीत गाकर और रात्रि में जागरण करके मनाई जाती है। मध्यरात्रि के जन्म के उपरान्त, शिशु कृष्ण की मूर्तियों को धोया और पहनाया जाता है।फिर एक पालने में रखा जाता है। फिर भक्त भोजन और मिठाई बांटकर अपना उपवास पूरा करते हैं। महिलाएं अपने घर के द्वार और रसोई के बाहर छोटे-छोटे पैरों के चिन्ह बनाती हैं जो अपने घर की ओर चलते हुए अपने घरों में श्रीकृष्ण जी के आने का प्रतीक माना जाता है।

रुडसेट संस्थान सिल्ली की ओर से
स्वतंत्रता दिवस के शुभ मौके पर
मुरी -सिल्ली, झारखंड एवं देशवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
श्री संजीत कुमार

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर
मुरी -सिल्ली, झारखंड एवं समस्त
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
श्री मृत्युंजय महतो

सोनाली लॉज और द विलेज रिसॉर्ट एंड बैंक्वेट सुलूमजुडी, सिल्ली, रांची।

मातृछाया नर्सिंग होम की तरफ से
स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर
मुरी- सिल्ली समेत पूरे झारखंड व
समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक
श्री विष्णु महतो

निदेशक : (गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सुविधा)

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर
मुरी -सिल्ली, झारखंड एवं समस्त
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
डॉ रमणेश प्रसाद

नोट-सेवा ही धर्म है। एम्बुलेंस ,सीटी स्कैन,लैब, इमरजेंसी की सुविधा है।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ मौके पर
मुरी- सिल्ली समेत पूरे झारखंड एवं
समस्त भारतवासी को हार्दिक बधाई व
शुभकामनाएं

निवेदक
श्रीमती अरुणिमा एक्का

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

सरोज कुमार
कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई विभाग, खूंटी

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

लक्ष्मण महतो
(किषान) खूंटी, पेलोल

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

विनोद जयसवाल
अध्यक्ष, विश्व हिन्दू परिषद
नोट : सीधा फाइनल लिखें -मैट्रिक,इंटर, स्नातक एव बीएड़

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

जेम्स कुजूर
कार्यपालक अभियंता
विद्युत विभाग, खूंटी

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

अरुण साबू
उपप्रमुख मुरहू सह अध्यक्ष प्रमुख उपप्रमुख संघ खूंटी।

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

श्रवण कुमार
संवेदक, खूंटी।

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

सुश्री दीप्रिया मिंज
कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत, खूंटी

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

धमेंद्र किशोर सिंह
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, खूंटी

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

लक्ष्मी बाखला
समाजसेवी
खूंटी रेवा

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

भूपेन्द्र कंसारी
सचिव
आल्मा मेटर गोपद कॉप्लेक्स नेताजी चौक, खूंटी।

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

प्रियांक भगत
अध्यक्ष
चेंबर ऑफ कॉमर्स खूंटी।

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

अरुण सांगा
अध्यक्ष
, जिला युवा कांग्रेस, खूंटी

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

सकलदीप
श्योर सक्सेस कोचिंग मुरहू (स्टेट बैंक के सामने)
नोट : सीधा फाइनल लिखें -मैट्रिक,इंटर, स्नातक एव बीएड़

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

विनोद जयसवाल
अध्यक्ष
विश्व हिन्दू परिषद

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

सैयुम अंसारी
कांग्रेस जिला महासचिव
एवं अध्यक्ष मजदूर यूनियन, खूंटी

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

मनोज कुमार
महासचिव
भारतीय हिन्दू फ्रंट झारखंड प्रदेश एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि, खूंटी।

भारत का पूरी दुनिया में है सम्मान : पुतिन

एजेंसी

मास्को : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। उन्होंने अपने संदेश में भारत की तारीफ करते हुए लिखा कि भारत ने सामाजिक-आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी समेत कई क्षेत्रों में मान्यता प्राप्त सफलताएं हासिल की हैं। रूसी राष्ट्रपति ने आगे लिखा कि भारत का पूरी दुनिया में सम्मान है और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भेजे संदेश में कहा, "भारत ने सामाजिक-आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और अन्य क्षेत्रों में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त सफलताएं हासिल की हैं। आपके देश को वैश्विक मंच पर उचित सम्मान प्राप्त है और अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे के तहत आने वाले प्रमुख मुद्दों के समाधान में भारत सक्रिय रूप से योगदान देता है।

उन्होंने आगे लिखा, "हम भारत के साथ अपनी विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को अत्यधिक महत्व देते हैं। मुझे विश्वास है कि, हमारे संयुक्त प्रयासों के माध्यम से, हम विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाते रहेंगे। यह हमारे मित्रवत व्यवहार और दोनों देश के लोगों के हितों के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। यह क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर दोनों देशों की सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत करने में सहायक है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत को ऐसे वक्त में स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी, जब टैरिफ को लेकर भारत और अमेरिका के बीच बहस जारी है। बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच शुक्रवार को अलास्का में बैठक होने वाली है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य रूस-यूक्रेन युद्ध की समाप्ति है। अगर यह बैठक अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहती है तो रूसी तेल के आयात की वजह से भारत पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ से बचा जा सकता है। हालांकि, पुतिन-ट्रंप के बीच होने वाली इस बैठक में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की शामिल नहीं हो रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं, वंदे मातरम।

स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है,
और इसकी रक्षा हमारा प्रथम कर्तव्य है।

श्री नीलम बरजो
प्रबंध निदेशक
कोलेबिरा बरसात प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड एफपीओ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मनोज कुमार स्वाइं
महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) मोनेट डेनियल कोल वाशरी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दिनेश कुमार गुप्ता
एनके एरिया महाप्रबंधक

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अनुज कुमार
परियोजना पदाधिकारी (चूरी)

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अब्दुल्ला अंसारी
एनके एरिया सचिव (आरसीएमएस) सह मजदूर नेता

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शाल्या परवीन
पूर्वी जिला परिषद खलारी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जयदीप टोप्पो
थाना प्रभारी खलारी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मुनेश्वर तिर्की

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सुनीता देवी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अभिजीत टैगोर
आरोग्य सेवा सदन

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राजेश कच्छप
मैनेजर बैंक ऑफ इंडिया लचरागढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

'मुझे कुछ करना है'
संचालक : रवि शंकर साहनी,
सहसंचालक : अविनाश साहू

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

निरंजन कुमार

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रवीण साहू
लचरागढ़

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अमृत चिराग तिर्की

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

फिरोज अली
जेएमएम

प्रपोस्ड हाई स्कूल, लचरगढ़ की ओर से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आशुतोष कुमार सिंह
आशुतोष स्टोन वर्क्स प्रा. लि.
कौलेश्वरी इन्फ्राकोंस प्रा. लि

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीनिवास सिंह
प्रदेश कोषाध्यक्ष
भाजपा युवा मोर्चा झारखंड

79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक
विद्यालय परिवार
इंदुमति टीबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर, चतरा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अमरेंद्र कुमार
जिला समादेष्टा, झारखंड गृह रक्षा वाहिनी, चतरा

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

संदीप सुमन
अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, चतरा

कार्यालय नगर परिषद, चतरा।

79वीं स्वतंत्रता दिवस, 2025 के शुभ अवसर पर समस्त चतरा नगर वासियों को नगर परिषद परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

नोटः नगर को साफ एवं स्वच्छ रखने में नगर परिषद प्रशासन को सहयोग करें।

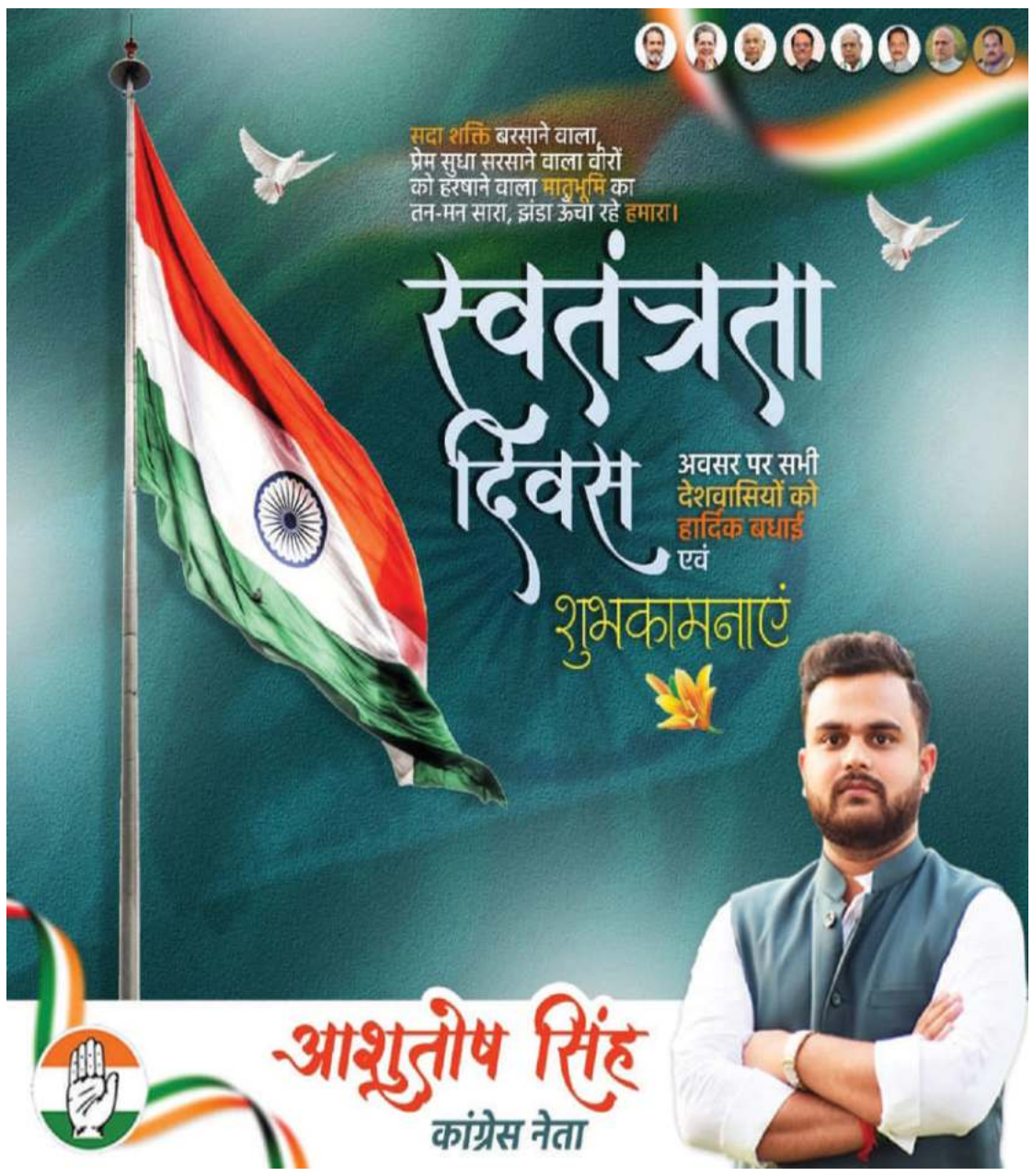

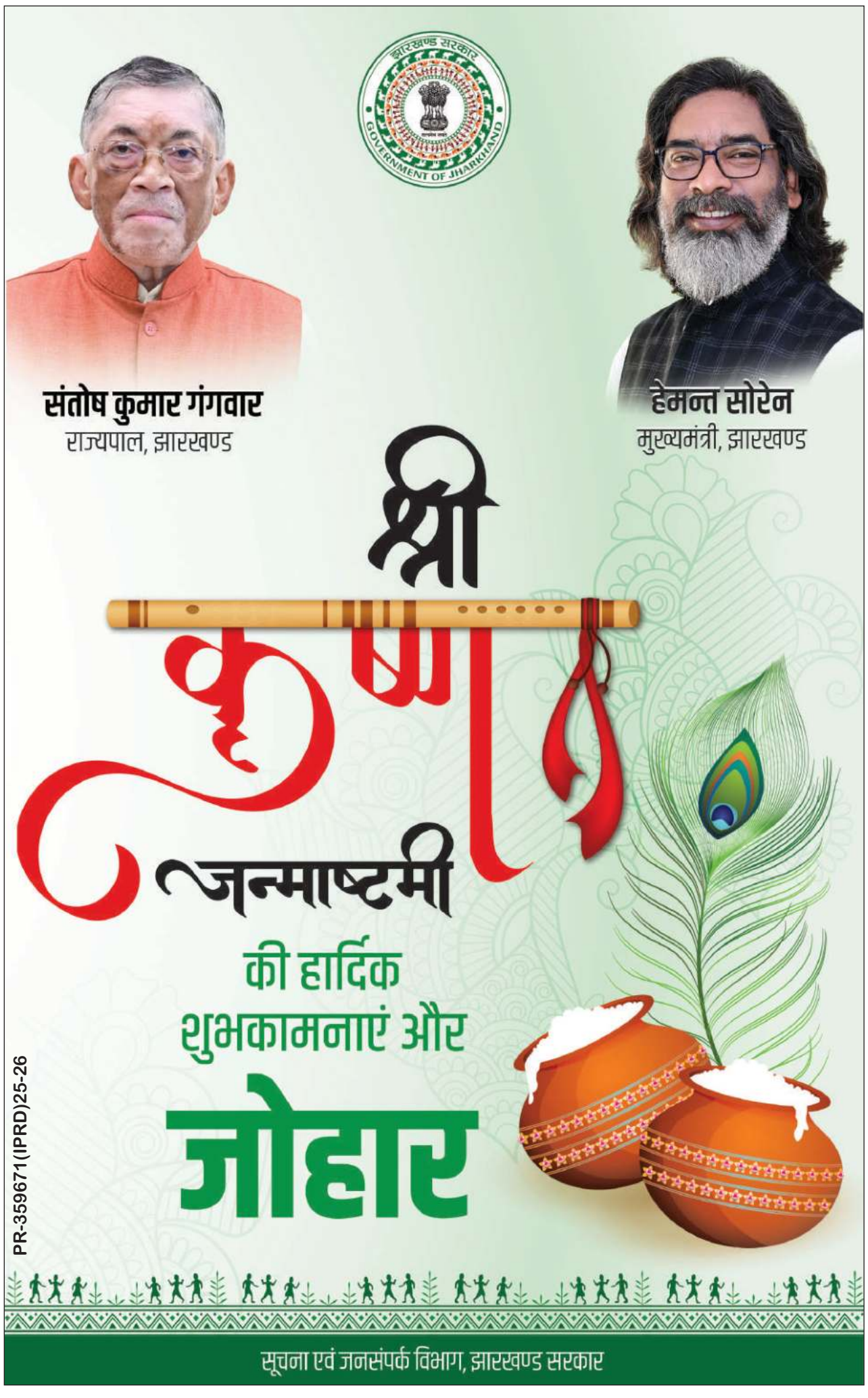

देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

सुनील कुमार सिंह
भाजपा किसान मोर्चा
प्रदेश मीडिया प्रभारी सह
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्र सेवा फाउंडेशन

लावालौंगवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

बिपिन कुमार भारती
प्रखंड विकास पदाधिकारी
लावालौंग